साप्ताहिक
विश्वास का तीर
निष्पक्ष...निर्भीक...निरंतर...
सपांदक- आयुष राजपूत
RNI.NO- MPHIN/2022/83636
वर्ष-03 | अंक-23 | भोपाल, प्रति शुक्रवार 19 अप्रैल 2024 | मूल्य-10 रूपयें | पृष्ठ-08

सागर में रोड शो में सीएम ने घुमाया मुगदर

सागर लोकसभा की भाजपा प्रत्याशी लता वानखेड़े ने जमा किया नामांकन, सीएम बोले- इस बार मप्र में 29 पार

विश्वास का तीर

सागर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी लता वानखेड़े ने गुरुवार को नामांकन दाखिल कर दिया। फॉर्म जमा करते समय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, प्रहलाद पटेल और पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा साथ रहे। प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा किसी कारणवश नहीं आ सके। इससे पहले सीएम और पार्टी के सीनियर नेताओं ने पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में रोड शो किया। कटरा बाजार में रोड शो का समापन हुआ। रोड शो में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समर्थकों द्वारा दिया गया मुगदर घुमाया। उनके मुगदर घुमाते ही पुष्पवर्षा की गई। जिसके बाद जिला निर्वाचन कार्यालय पहुंचे। सागर से वानखेड़े के सामने कांग्रेस ने चंद्रभूषण सिंह बुंदेला उर्फ गुड्डू राजा को उतारा है।

जगह-जगह पुष्प वर्षा और रोड शो का हुआ स्वागत

रोड शो मोतीनगर चौराहे से शुरू हुआ जो बड़ा बाजार, कोतवाली होते हुए तीनबत्ती तिराहे पर पहुंचा। इस दौरान रास्ते में जगह-जगह पुष्पवर्षा की गई। तीनबत्ती तिराहे पर मुख्यमंत्री रोड शो के रथ से नीचे आए और डॉ. हरीसिंह गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जिसके बाद वे कार से जिला निर्वाचन कार्यालय के लिए रवाना हुए। जहां प्रत्याशी लता वानखेड़े का नामांकन जमा कराया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सागर में रोड शो में शामिल होकर प्रत्याशी का नामांकन जमा कराया है। यहां माहौल और उत्साह देखकर अच्छा लगा। पूरा भरोसा है कि मध्यप्रदेश में इस बार 29 पार।

मुगदर भेंट किया तो सीएम ने घुमाया

मुख्यमंत्री मोहन यादव बालाजी मंदिर के पास बने हेलीपैड पर पहुंचे। जहां भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शैलेष केसरवानी ने हेलीपैड पर उन्हें मुगदर (गदा) भेंट किया। मुख्यमंत्री ने उत्साह पूर्वक मुगदर घुमाते हुए कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया। इस दौरान

भाजपा कैंडिडेट की संपत्ति 6 महीने में 2 करोड़ बढ़ी

भोपाल के आलोक शर्मा के पास 8.47 करोड़ की संपत्ति; कांग्रेस प्रत्याशी ज्यादा अमीर

विश्वास का तीर

भोपाल लोकसभा सीट से वृच्छक कैंडिडेट आलोक शर्मा की संपत्ति 6 महीने में 2 करोड़ बढ़ी है। शर्मा ने चुनाव आयोग के सामने यह जानकारी दी है। उन्होंने 8.47 करोड़ संपत्ति बताई है। इससे पहले, विधानसभा चुनाव में उन्होंने 6.44 करोड़ संपत्ति की जानकारी दी थी। हालांकि, कांग्रेस कैंडिडेट अरुण श्रीवास्तव के मुकाबले यह कम है। शर्मा ने गुरुवार को नॉमिनेशन जमा किया। इसमें पति-पत्नी दोनों की संपत्ति की जानकारी दी गई है। उनकी चल संपत्ति 2.30 करोड़ है। वहीं, अचल संपत्ति में रसूलिया पठार, परवलिया सड़क, धामनिया, खजूरी सड़क में 7.76 एकड़ जमीन, लाउखेड़ी में 2 प्लाट, गुफा मंदिर के पास मकान शामिल हैं। इसकी कुल कीमत 6.17 करोड़ रुपए बताई गई है। चार आपराधिक केस की जानकारी भी दी गई है। वहीं, कार-जेसीबी और बंदूक भी उनके पास है।

विधानसभा चुनाव में बताई थी इतनी संपत्ति

विधानसभा चुनाव में आलोक शर्मा भोपाल उत्तर से बीजेपी प्रत्याशी थे। तब भी नॉमिनेशन के साथ उन्होंने संपत्ति का ब्यौरा दिया था। इसमें 1.90 करोड़ की चल और 4.54 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति बताई थी। तब बैंक में 38.53 लाख और पत्नी के अकाउंट में 22.72 लाख रुपए जमा थे। वर्तमान में उनके अकाउंट में 73.74 लाख रुपए और पत्नी के अकाउंट में 16.86 लाख रुपए जमा है। उन्होंने कृषि भूमि की जानकारी भी दी है।

पत्नी-बेटों के पास भी जेवर

शर्मा और उनकी पत्नी-बेटों के पास भी ज्वेलरी है। शर्मा के पास 150 ग्राम, पत्नी श्रद्धा शर्मा के पास 550 ग्राम, बेटे अर्पित के पास 50 ग्राम और अर्चित शर्मा के पास 40 ग्राम सोना है। पत्नी के पास साढ़े पांच किलो चांदी भी है। इस तरह परिवार के पास कुल 63 लाख 20 हजार रुपए की ज्वेलरी है।

आलोक शर्मा के पास 8.47 करोड़ की संपत्ति

- **उम्र-** 56 वर्ष

चल संपत्ति

- **कैश-** स्वयं- 50 हजार रुपए
- **पत्नी-** 90 हजार रुपए
- **बैंक में जमा-** स्वयं- 73.74 लाख रुपए
- **पत्नी-** 16.86 लाख रुपए
- **सोना-**चांदी- स्वयं- 150 ग्राम सोना
- **पत्नी-** 550 ग्राम सोना, 5.50 किलो चांदी
- **पॉलिसी-** 01
- **एफडी-** नहीं
- **म्यूचल फंड-** 02
- **गाड़ी-** स्विफ्ट, जेसीबी
- **हथियार-** 32 बोर, रायफल
- **कुल कीमत-** 2.30 करोड़ रुपए

अचल संपत्ति

- **मकान-** गुफा मंदिर के पास
- **व्यवसायिक भवन-** लालघाटी पर
- **कृषि भूमि-** 7.76 एकड़ (रसूलिया पठार, परवलिया सड़क, धामनिया, खजूरी सड़क में)
- **प्लाट-** लाउखेड़ी में 2 प्लाट
- **कुल कीमत-** 6.17 करोड़ रुपए

अरुण श्रीवास्तव, कांग्रेस

- **उम्र-** 63 वर्ष
- **आपराधिक केस-**01

चल संपत्ति

- **कैश-** स्वयं- 40 हजार रुपए
- **पत्नी-** 48 हजार रुपए
- **बैंक में जमा-** स्वयं: 14.65 लाख रुपए
- **पत्नी-** 8.38 लाख रुपए
- **सोना,** स्वयं- 200 ग्राम, 13.47 लाख रुपए कीमत
- **चांदी,** स्वयं- 1.5 किलो, 1.28 लाख रुपए कीमत
- **पत्नी-** सोना- 450 ग्राम, कीमत 30.32 लाख रुपए
- **चांदी-** 3 किलो, कीमत 2.56 लाख रुपए
- **पॉलिसी-**2
- **एफडी-** 1
- **म्यूचल फंड-** नहीं
- **गाड़ी-** 1 ट्रैक्टर, 1 महिंद्रा बोलेरो
- **कुल कीमत-** 1.64 करोड़ रुपए

अचल संपत्ति (पति-पत्नी की)

- मकान- 02
- व्यवसायिक भवन- नहीं
- कृषि भूमि- 29.53 एकड़
- प्लाट- 01
- कुल कीमत- 12.59 करोड़ रुपए

चोरी के शक में 4 बदमाशों ने बनाया बंधक

भोजनालय मालिक को अगवा कर पूछ रहे थे, मशीन कहां है

विश्वास का तीर

स्टेशन बजरिया स्थित एक भोजनालय संचालक को मशीन चोरी के शक में चार बदमाशों ने अगवा किया। आरोप है कि आरोपियों ने आरपीएफ बैरक के पास एक गोडाउन में बंधक बनाकर उनके साथ मारपीट की। बदमाश उनसे पूछ रहे थे कि बता मशीन कहां है। वह बार-बार उन्हें यही बोल रहे थे कि आपको कुछ गलत फहमी हुई है, लेकिन बदमाशों ने उनकी बात नहीं सुनी। बाद में बदमाश उन्हें बेहोशी की हालत में छोड़कर फरार हो गए। भोजनालय संचालक अपने भतीजे और बेटे के साथ बजरिया थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ शिकायत की। पुलिस ने अपहरण और बंधक बनाकर मारपीट का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। बजरिया पुलिस के मुताबिक चांदबड़ निवासी 45 वर्षीय अनिल गुप्ता का भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 के सामने गुप्ता भोजनालय है। अनिल ने पुलिस को बताया कि 17 अप्रैल की दोपहर करीब 12:30 बजे वह होटल से अपने घर चांदबड़ जा रहे थे। तभी घर के पास गली नं.1 में अचानक दो गाड़ियों से आए चार अज्ञात युवकों ने उन्हें रोक लिया।

बेहोशी की हालत में छोड़कर भाग गए

युवकों ने अनिल से बोला कि तुमने मशीन चोरी की है। अनिल ने उन्हें बताया कि मैंने कोई चोरी नहीं की है, आप लोगों को कुछ गलतफहमी हुई है। उन्हें जबरदस्ती घेर कर एक टू व्हीलर पर बीच में बैठाया और ले जाने लगे। बदमाश बार-बार उनसे पूछ रहे थे कि बता मशीन कहां है। अनिल बोलते रहे कि मेरा मशीन से कोई लेना देना नहीं है। चारों युवक उन्हें आरपीएफ बैरक के पास गोडाउन में ले गए और रस्सी से बांधकर उनके साथ चारों लोगों ने बारी-बारी से बेल्ट, पाइप के टुकड़ों से मारपीट की। उनकी पीठ, दोनों हाथों और चेहरे पर चोट आई है। बाद में चारों लोग अनिल को बेहोशी की हालत में छोड़कर भाग गए।

गुना में युवती को पीटा, जख्मों पर मिर्च लगाई

चीखी तो होंठ पर फेवीक्विक डाल दी; शादी और मकान नाम करने का दबाव

विश्वास का तीर

गुना में युवती को युवक ने बेल्ट और लेजम (पानी के पाइप) से बुरी तरह पीटा। उसके जख्मों पर मिर्च लगा दी। चीखी तो होंठ पर फेवीक्विक डाल दी। आरोपी युवती पर शादी और मकान की रजिस्ट्री अपने नाम कराने का दबाव डाल रहा था। युवती मां के साथ रहती है। पिता की मौत हो चुकी है और भाई-बहन नहीं है। युवती की मां ने उससे यह कह दिया था कि घर बेच दिया है। इस बात से नाराज युवक ने क्रूरता की। युवती को एक महीने घर में बंधक बनाकर रखा। घटना शहर के नानाखेड़ी इलाके में मंगलवार रात की है। युवती बुधवार सुबह घायल हालत में कैंट थाने पहुंची। देर शाम तक पुलिस ने मामला दर्ज कर युवक को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मेरे साथ आरोपी ने जबरदस्ती भी की

23 साल की युवती ने बताया, आरोपी अयान पठान घर के पास में ही रहता है। उसने मुझे एक महीने अपने घर कैद करके रखा। मेरे साथ जबरदस्ती की। वह न तो बाहर आने देता और

न किसी से बात करने देता। कहता है कि अपनी मां से कहो कि मकान मेरे नाम कर दें। मैं किसी तरह अपने घर आई। मंगलवार रात उसने घर आकर मुझे लेजम और बेल्ट से पीटा। मेरे पूरे शरीर में चोट आई है। दोनों आंखों में सूजन है। दर्द होने पर चिल्लाई तो होंठ पर फेवीक्विक डाल दी, ताकि आवाज न निकल सके।

आरोपी के घर वाले युवती को अस्पताल लेकर पहुंचे

युवती की मां ने बताया, आरोपी अयान बेटी को लगातार परेशान कर रहा था। वह कहता था कि मां से रुपए मंगाओ। घर मेरे नाम करा दो। मैंने झूठ बोल दिया कि घर तो बेच दिया है, तो उसने बेटी के साथ क्रूरता की हदें पार कर दी। मेरे घर में रखे गृहस्थी के पूरे सामान को भी तोड़फोड़ दिया। मैं शिवपुरी में थी। बुधवार सुबह आरोपी के घर वाले ही बेटी को घायल हालत में अस्पताल लेकर आए। मैं भी शिवपुरी से आई।

आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, अवैध शराब मिली

एसपी संजीव कुमार ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। युवती के बयान के आधार पर आगे जो कार्रवाई बनेगी, वह की जाएगी। कैंट टीआई दिलीप राजौरिया ने बताया कि पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंची, तो वह बाइक पर दो शराब की कैन में 60 लीटर शराब लेकर जा रहा था। आबकारी एक्ट में भी केस दर्ज किया।

आलेख

क्या सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी?

उत्तरप्रदेश में पहले चरण के मतदान से दो दिन पहले यानी गत बुद्धवार को दिल्ली से सटे गाजियाबाद महानगर के कौशांबी स्थित फाइव स्टार होटल रेडिसन ब्लू सभागार में, गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र की इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के समर्थन में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जो संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया, उसके सियासी मायने स्पष्ट हैं। यहां के शानदार मंच से दोनों नेताओं ने भाजपा की मोदी सरकार के प्रति जो तल्खी दिखाई, उससे यह सवाल उभरकर सामने आया कि आखिर यूपी में क्या सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी? आपको पता होना चाहिए कि यूपी में कांग्रेस-सपा गठबंधन होने के बाद पहली बार दोनों नेता एक साथ, एक मंच पर दिखाई दिए और पत्रकारों के लाख कुरेदने के बावजूद भी संतुलित और सधे हुए अंदाज में जो बातें कहीं, उसके राजनीतिक मायने स्पष्ट हैं। पहला यही कि कांग्रेस-सपा की यह युगलबंदी लंबी चलेगी। क्योंकि पीएम पैदा करने वाले इस प्रदेश से यदि भाजपा और एनडीए गठबंधन को खदेड़ना है, तो पीएम के हवा-हवाई मुद्दों की बजाए राहुल गांधी-अखिलेश यादव के जमीनी मुद्दों यानी कांग्रेस की गारंटी (जिसमें इंडिया गठबंधन के मुद्दों को समाविष्ट किया गया है) की बात पर जोर देना होगा। कांग्रेस की गारंटी का मतलब समाज के समस्त दबे-कुचले लोगों के परवरिश और उत्थान की बात, जैसा कि उसमें समाविष्ट किया हुआ है। साफ शब्दों में कहें तो किसान-मजदूर-कारीगर, युवा, महिलाएं, कुटीर-लघु कारोबारी आदि के हित। दूसरा, रामनवमी के दिन ही इंडिया गठबंधन के

पहले संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन होने और इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा नेता अखिलेश यादव द्वारा देशवासियों और पत्रकारों को रामनवमी की बधाई देने का स्पष्ट मकसद है कि इंडिया गठबंधन सनातन मर्यादाओं की उपेक्षा अब नहीं करेगा। क्योंकि 2014 और 2019 का नजीर उसके सामने है। लिहाजा, 2024 में पुरानी गलतियों से सबक लेने की कोशिश की गई है। शुरुआत भी अच्छी है। तीसरा, इस प्रेस वार्ता में राहुल गांधी का यह कहना कि ये चुनाव विचारधारा का चुनाव है, काफी अहम है। उनके शब्दों में, %एक तरफ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन देश में लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रही है। इससे साफ है कि कांग्रेस अपने पुराने मुद्दे पर अडिग है और सावधानी पूर्वक नए मुद्दों से खुद को जोड़ रही है, जो अच्छी बात है। चतुर्थ, बकौल राहुल गांधी, इस चुनाव में 2-3 बड़े मुद्दे हैं। वह है महंगाई, बेरोजगारी और भागीदारी। लेकिन इसके बारे में ना तो प्रधानमंत्री बात कर रहे हैं और ना ही बीजेपी बात कर रही है। यही वजह है कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर सीधे हमला बोलते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कभी मुद्दों पर बात नहीं करते। मुद्दों पर बात करने की बजाय कभी वह समुद्र की गहराईयों में चले जाते हैं, तो कभी वह आसमान में सी प्लेन पर चले जाते हैं। संभवतया जनता भी इस बात को समझने लगी है, जिससे यूपी में राहुल-अखिलेश का ग्राफ ऊंचा उठने के संकेत मिलने लगे हैं। पांचवां, राहुल गांधी ने कहा कि पीएम ने एक साक्षात्कार में इलेक्टोरल बॉन्ड को सही बताया और चुनाव में पारदर्शिता लाने के लिए इसे जरूरी बताया। यदि यह सच है तो इस सिस्टम को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द क्यों किया? उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों ने भाजपा को चुनाव के नाम पर करोड़ों की रकम दी, भाजपा उनका नाम क्यों नहीं उजागर कर रही है। उन्होंने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए यहां तक कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड अपने आपमें दुनिया का सबसे बड़ा संगठित घोटाला है। इसमें सरकारी एजेंसी और बीजेपी नेतृत्व की दोनों भूमिका संदेहास्पद है। इस प्रकार इलेक्टोरल बांड सबसे बड़ा एक्सटॉर्शन है। पीएम मोदी भ्रष्टाचार के चैंपियन हैं। विपक्ष के नेता का ऐसा तेवर तभी दिखता है, जब सत्तारूढ़ सरकार का अवसान सुनिश्चित होने का फीडबैक कार्यकर्ता देते हैं। छठा, राहुल गांधी से पहले संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत करते हुए अखिलेश यादव का यह कहना कि मुझे खुशी है आज हम मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं, बेहद अहम है। उन्होंने तो साफ कहा कि यूपी में गाजियाबाद से लेकर गाजीपुर तक भाजपा का सफाया होने जा रहा है। भाजपा की हर बात झूठी निकली। न किसान की आय दोगुनी हुई, न युवाओं को रोजगार मिला, विकास के वादे भी अधूरे हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड ने इनकी पोल खोल दी है। भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन गई है। लूट और झूठ भाजपा की पहचान बन गई है। इसलिए मोदी-योगी सरकार से मुक्ति के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। कार्यकर्ताओं को तालमेल बिठाकर चलना होगा। सप्तम, अखिलेश यादव का यह कहना कि गाजियाबाद यानी पश्चिम उत्तरप्रदेश से चल रही हवा पूर्वी यूपी में गाजीपुर तक जाएगी और पूरे देश में बदलाव लाएगी। हमारा इंडिया गठबंधन गाजियाबाद से गाजीपुर तक क्लीन स्वीप करेगा। हमें पूरी उम्मीद है कि इस बार केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी, काफी अहम है। उनका यह कहना कि इस बार पश्चिम से बदलाव की हवा चली है। जनता भाजपा के झूठ और वादा खिलाफी से तंग आ चुकी है। इलेक्टोरल बॉन्ड ने भाजपा की बैंड बजा दी है।

संपादकीय

राजनीति में भी चमके मीडिया के सितारे

इन दिनों देश में लोकतंत्र का महापर्व चल रहा है। जाहिर है राजनीति का आकर्षण प्रबल है। सिने कलाकार, साहित्यकार, वकील, न्यायाधीश, खिलाड़ी, गायक, उद्योगपति सब क्षेत्रों के लोग राजनीति में हाथ आजमाना चाहते हैं। ऐसा ही हाल पत्रकारिता के सितारों का भी है। मीडिया और पत्रकारिता के अनेक चमकीले नाम राजनीति के मैदान में उतरे और सफल रहे। आजादी के आंदोलन में तो मीडिया को एक तंत्र की तरह इस्तेमाल करने के लिए प्राय: सभी वरिष्ठ राजनेता पत्रकारिता से जुड़े और उजली परंपराएं खड़ी कीं। बालगंगाधर तिलक, महात्मा गांधी से लेकर सुभाष चन्द्र बोस, महामना मदनमोहन मालवीय, पंडित नेहरू सभी पत्रकार रहे। आजादी के बाद बदलते दौर में पत्रकारिता और राजनीति की राहें अलग-अलग हो गईं, लेकिन सत्ता का आकर्षण बढ़ गया। जनपक्ष, राष्ट्र सेवा की पत्रकारिता अब आजाद भारत में राष्ट्र निर्माण का भाव भरने में लगी थी। सेवा राजनीति के माध्यम से भी की जा सकती है, यह भाव भी प्रबल हुआ। राजनीतिक दलों से संबंधित समाचार पत्रों, पत्रिकाओं के अलावा मुख्यधारा की पत्रकारिता से भी लोग राजनीति में आए, जिसमें सबसे खास नाम श्री अटल बिहारी वाजपेयी का है, जो वीर अर्जुन जैसे दैनिक अखबार के संपादक रहे। इसके साथ ही वे स्वदेश पांचजन्य और राष्ट्रधर्म के भी संपादक रह चुके थे। वह जहां संसदीय राजनीति के लंबे अनुभव के साथ प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री भी रहे, तो वहीं भाजपा के वह संस्थापक अध्यक्ष भी रहे। उप प्रधानमंत्री रहे लालकृष्ण आडवाणी भी हिंदुस्तान समाचार और ऑर्गनाइजर से जुड़े रहे, फिर राजनीति में आए। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे द्वारिका प्रसाद मिश्र दैनिक लोकमत, साप्ताहिक सारथी और श्री शारदा के संपादक के रूप में ख्याति प्राप्त हुए। विंध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शंभूनाथ शुक्ल बाद में बने मध्यप्रदेश में मंत्री और सांसद रहे। विशाल भारत के संपादक रहे बनारसी दास चतुर्वेदी दो बार रायसभा के सदस्य रहे। गणेश शंकर विद्यार्थी के शिष्य रहे बालकृष्ण शर्मा नवीन प्रताप के संपादक रहे और कांग्रेस से रायसभा पहुंचे। महाराष्ट्र का दर्डा परिवार राजनीति में अग्रणी रहा। लोकमत समाचार के संस्थापक जवाहरलाल दर्डा, राजेन्द्र दर्डा और विजय दर्डा सांसद, विधायक और मंत्री रहे। विजया कर्नाटक और कन्नड़ प्रभा अखबार से जुड़े रहे प्रताप सिम्हा भाजपा से दो बार लोकसभा पहुंचे। उनका नाम चर्चा में तब आया, जब उनके द्वारा अनुमोदित विजिटर पास से दो युवकों ने नई संसद में पहुंच कर हंगामा किया मूलत: पत्रकारिता से सार्वजनिक जीवन में आने वाले मोतीलाल वोरा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और लंबे समय तक कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रहे। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे श्यामाचरण शुक्ल ने रायपुर से दैनिक महाकौशल अखबार निकाला।

भगवान को हाथ लगाकर अपनी मांग भरी; ग्वालियर से वृंदावन विदा

23 साल की शिवानी ने लड्डू गोपाल से किया विवाह

विश्वास का तीर

ग्वालियर की 23 साल की शिवानी परिहार ने अपना बाकी का जीवन भगवान लड्डू गोपाल के चरणों में अर्पित कर दिया। बुधवार शाम उन्होंने भगवान के साथ विवाह किया। बारात वृंदावन (मथुरा) से आई। पीतल के बाल रूपी कृष्ण को दूल्हे की तरह श्रृंगार करके पंडित, साधु, संत और कृष्ण भक्त लेकर आए। गुरुवार को शिवानी वृंदावन के लिए विदा हो गईं। उन्होंने बताया, %4-5 दिन बाद दूसरी विदाई होगी, इसके एक महीने बाद फिर वृंदावन जाऊंगी। वहां 4 - 5 साल रहकर अध्ययन करूंगी। भागवत और शिव पुराण पढ़ूंगी। मैं शिव जी को भी बहुत मानती हूं। शिवानी ने क्रष्टश्रद्व किया है। उन्होंने लड्डू गोपाल को हाथ लगाकर मांग में सिंदूर भरा, तब वे यह भजन भी गुनगुना रही थीं, बसो मेरे नैनन में नंदलाल...। ये पंक्तियां कभी मीरा बाई ने श्रीकृष्ण से अपने प्रेम का इजहार करने के लिए गाई थी।

वृंदावन से आए पंडितों ने सुनाई कृष्ण की वंशावली

विवाह कैंसर पहाड़ी पर बने शिव मंदिर में हुआ। वृंदावन और ग्वालियर के पंडितों ने साथ मिलकर विवाह की रस्में करवाईं। ग्वालियर के दामाद लड्डू गोपाल को द्वारचार कराया। मंडप

में शिवानी का कन्यादान उन्हें बेटी की तरह मानने वाले गौरव शर्मा और उनकी पत्नी ने किया। पुजारियों के मंत्रोच्चार के बीच इस विवाह की खासियत यह रही कि फेरों के वक्त वृंदावन से आए पंडितों ने कृष्ण की वंशावली सुनाई।

जो नाराज थे, लड्डू गोपाल के आगे पिघल गए

शिवानी परिहार ने कहा, मैंने 7 साल पहले भगवान लड्डू गोपाल के साथ विवाह करने का संकल्प लिया था। मेरी बहन और रिश्तेदार जो लोकलाज के चलते नाराज थे, वे भी लड्डू गोपाल के आगे पिघल गए। घर में नाच-गाना और मंगलगीत गाए गए। मैं इतना कहूंगी कि ऐसे वर को क्या वरुं, जो जनमे और मर जाए, क्यों न ठाकुर को वरुं, जो मेरा जोड़ा अमर हो जाएज। मैं अब श्याम सुंदर की दासी बन गई। उनके चरणों में जीवन बिताऊंगी।

बेटी की भक्ति देख शादी के लिए तैयार हुए

शिवानी के पिता राम प्रताप परिहार ग्वालियर में ही सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते हैं। मां मीरा परिहार गृहिणी हैं। दो बेटियां है। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। मीरा ने बताया, पहले हम तैयार नहीं थे, लेकिन बेटी की भक्ति देखकर तैयार हो गए। शादी में जो भी रीति-रिवाज होते हैं, हमने पूरे किए। मंडप, हल्दी, मेहंदी सभी कार्यक्रम किए।

भोज में सब्जी-पूड़ी, रायता, गुलाब जामुन और बर्फी

आयोजन जनचेतना एवं जन कल्याण संस्था की ओर से कराया गया। शादी का सर्टिफिकेट भी दिया। भोज भी हुआ। सब्जी, पूड़ी, रायता, गुलाब जामुन और बर्फी बनवाई गई थी। वृंदावन से भगवान लड्डू गोपाल की बारात लेकर ग्वालियर आए पंडित चरणदास ने बताया, विवाह पूरे सांस्कृतिक तरीके से कराया गया है। पहले द्वार पर जिस तरह से दूल्हे का द्वार पाटिका होता है, इसी प्रकार लड्डू गोपाल का भी हुआ। फेरे हुए, मांग भराई, पैर पुजाई और चढ़ावा भी चढ़ाया गया है।

काम करना पसंद नहीं...इसलिए करता था लूट-चेन स्नैचिंग

विश्वास का तीर

मुझे काम करना पसंद नहीं इसलिए लूट और चेन स्नैचिंग कता हूं। मुझे सिर्फ खुद पर भरोसा है, इसलिए अकेले ही वारदात करता हूं। यह कहना है राऊ-भंवरकुआं में एक साल पहले चेन स्नैचिंग करने वाले आरोपी का। इंदौर क्राइम ब्रांच की पूछताछ में उसने कई खुलासे किए हैं। क्राइम ब्रांच ने आरोपी को राउ पुलिस के सुपुर्द किया है।आरोपी ने बताया कि उसकी पत्नी शॉप संचालित करती है। लेकिन उसकी हरकतों के चलते उसे खर्च के लिए रुपए नहीं देती। जब भी खर्च के रुपए खत्म हो जाते तो वह वारदात करने निकल पड़ता। कुछ समय पहले वह चोरी के मामले में तिलक नगर में पकड़ाया था। लेकिन यहां पूछताछ में लूट की वारदात नहीं कबूली थी। क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ने पर सच बोलना पड़ा। क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि आदतन लुटेरे हितेश पुत्र प्रकाश पंजाबी, निवासी क्रांति कृपलानी नगर को पकड़कर राउ पुलिस के सुपुर्द किया है। यहां के फुटेज में गाड़ी नंबर आने के बाद सख्ती से पूछताछ में वह टूट गया। राउ में पूछताछ के बाद भंवरकुआ पुलिस भी उसका रिमांड लेगी। हितेश दो माह पहले ही तिलक नगर

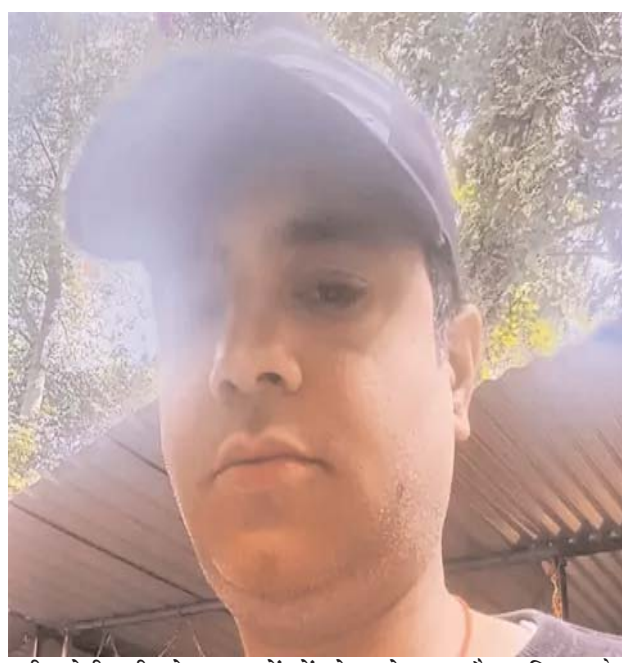

की चोरी की दो वारदातों में जेल से छूटा है। परिवार के लोगों ने इसी शर्त पर जमानत कराई थी कि अब वो ऐसा कुछ नहीं करेगा। लेकिन वह परिवार से चोरी-छिपे वारदात करने लगा।

तिलक नगर पुलिस ने नहीं की थी गंभीरता से पूछताछ

तिलक नगर पुलिस ने हितेश को दो चोरियों के मामले में पकड़ा था। लेकिन उससे पुलिस ने ज्यादा पूछताछ ही नहीं की। हितेश से चोरी का माल जब्त किया गया। तो उसने तुरंत माल खरीदने वालों के नाम बताए और उसे जब्ती कर जेल भेज दिया गया। इधर, भंवरकुआ में जो फुटेज पुलिस और क्राइम ब्रांच को मिले, वह रात के होने के चलते क्लियर नहीं थे। इसलिए हितेश पर किसी को शंका नही हुई।

2019 में क्राइम ब्रांच ने जब्त की थी 17 चेन

क्राइम ब्रांच थाने पर आरोपी हितेश को लाने के बाद उसके पूर्व के अपराधों की जानकारी निकाली गई। 2019 में क्राइम ब्रांच ने उससे 17 चेन जब्त की थी। अकेले ही वारदात करने का कारण पूछने पर आरोपी ने खुद पर ही भरोसा होने की बात कही। क्राइम ब्रांच ने जब उससे सख्ती से पूछताछ की तो उसने भंवरकुआ में हुई लूट कबूल ली और चेन किस सुनार को बेची थी, यह भी बताया। 2019 में भी परिवार ने सुधरने के आश्वासन हितेश की जमानत करवा ली थी।

राजधानी भोपाल की जहांगीराबाद पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 300 क्वार्टर अवैध शराब जब्त की गई है। मामले में पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को बोगदा पुल के पास पुराना आजाद नगर में एक व्यक्ति के पास अवैध शराब रखे होने की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और आरोपी नसीम खान पिता अयूब को गिरफ्तार किया। आरोपी को उसके घर से पकड़ा गया और उसके पास 300 क्वार्टर शराब जब्त की गई। जिसकी कीमत करीब 25 हजार रुपए बताई जा रही है। नसीम खान रेलवे की पटरी से स्लम एरिया में शराब की फुटकर में सप्लाई करता था और वह पहले भी अवैध शराब की तस्करी में गिरफ्तार हो चुका है।

पति ने प्रेमिका के साथ मिलकर पीटा इसलिए दी जान

इंदौर में कागज के बजाय हाथ पर मौत की वजह लिखने का कारण भी सामने आया

विश्वास का तीर

उलटे हाथ पर सुसाइड का कारण लिखकर फांसी लगाने वाली 40 साल की हाउस वाइफ कविता पाटिल को लेकर नया खुलासा हुआ है। वह पति पंकज की बेवफाई से परेशान तो थी ही, लेकिन जब विवाद के बीच प्रेमिका घर तक आ गई तो वह टूट गई। कविता के आखिरी नोट में यह बताने की कोशिश की थी कि पति को लेकर ही उसका नम्रता से भी विवाद हुआ। इसके बाद वह मेरे घर आ गई।मुझसे मारपीट भी की। इस घटना ने मुझे तोड़ दिया और जान देना पड़ रही है। बता दें कि महिला सिल्वर स्प्रिंग में रहती थी और सोमवार को फांसी लगाई थी। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि कविता को यह भी डर था कि कागजी सुसाइड नोट लिखकर मरने पर पति उसमें छेड़छाड़ कर सकता है या गायब कर सकता है। इसी कारण

उसने उलटे हाथ पर पेन से सुसाइड का कारण लिख दिया। इसी के बाद पति पंकज पाटिल और प्रेमिका नम्रता पर केस दर्ज किया। पंकज को तत्काल गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी प्रेमिका नम्रता फरार है। इंदौर और पुणे में रहने वाली दोनों बेटियों के बयान फिलहाल नहीं हुए हैं। पुलिस ने आरोपी पंकज का मोबाइल भी जब्त किया है। पंकज और नम्रता की चैटिंग और मोबाइल कॉल डिटेल निकाली गई है।

पत्नी के सुसाइड के वक्त ऑफिस में था पति, ऐसे पता चला..

पति पंकज ने पुलिस को दर्ज कराए बयान में कहा कि वह रोज की तरह सोमवार सुबह 8.45 बजे ऑफिस चला गया था। 9:30 बजे उसके रिश्तेदार का कॉल आया। कहा कि कविता फोन नहीं उठा रही है। इस पर उसने कहा कि वह कविता को कॉल कर आपसे बात करने के लिए कह देगा। उसने भी कविता को कॉल किए लेकिन कॉल रिसीव नहीं किया। पंकज ने पड़ोसी को घर जाकर देखने के लिए कहा। पड़ोसी आया तो दरवाजा अंदर से लॉक था। आवाज देने के बाद जब कविता बाहर नहीं आई तो पड़ोसी ने खिड़की से झांककर देखा। पंखे पर कविता लटकी हुई दिखाई दी। पड़ोसी ने पंकज और पुलिस को सूचना कर दी।

पुलिस ने पति को शव के पास नहीं आने से रोक दिया

पति पंकज के फैक्ट्री से घर पहुंचने से पहले पुलिस सिल्वर स्प्रिंग टाउनशिप पहुंच गई। यहां छानबीन शुरू की तभी वह भी आ गया। कविता के हाथ पर लिखे नोट को देखकर पुलिस ने शव सुरक्षित उतारकर रखवा दिया। पति को भी शव के करीब भी नहीं आने दिया। पुलिस ने कहा कि मायके पक्ष के आने के बाद ही पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। एफएसएल टीम से पंचनामा बनाया और उलटे हाथ पर लिखे सुसाइड नोट की जांच की। महाराष्ट्र के धुलिया से कविता की मां आशा बाई पाटिल, पिता रमेश, दोनों भाई महेश, जितेंद्र और मामा गिरीश पाटिल से बात कर घटना की जानकारी दी। सभी ने अपने बयानों में बताया है कि काफी समय से पति-पत्नी के रिश्ते ठीक नहीं चल रहे थे। मां ने अपने बयान में बताया कि परिवार बचाने के लिए उनकी बेटी सबकुछ सहन कर रही थी। पंकज की महिला मित्र नम्रता के कारण आए दिन दोनों में विवाद होता था।

इंदौर में पुलिसकर्मियों से मारपीट करने वालों का जुलुस निकाला

टीआई बोले- यहीं चौराहे पर पटक-पटक कर मारूंगा

विश्वास का तीर

इंदौर के पलासिया में कार टकराने को लेकर भंवरकुआ के पुलिसकर्मियों से कार सवार युवकों का विवाद हुआ। पुलिसकर्मी से कार की चाबी छीनने के बाद मारपीट की गई। पलासिया थाने पर सूचना के बाद जब बीट के दो जवान यहां पहुंचे तो युवकों ने उनके साथ भी हुज्जत की। गुरुवार को टीआई ने इलाके में लाकर उनका जुलुस निकाला। यहां टीआई ने युवकों से कहा, फिर ऐसा किया तो चौराहे पर पटक-पटक कर मारूंगा। इसके बाद उन्हें वापस गाड़ी में बैठा कर थाने ले गए। टीआई मनीष मिश्रा दोपहर में रामसिंह परिया निवासी बड़ी ग्वालटोली, लोकेश पारिया, लक्की व उसके साथियों को लेकर बड़ी ग्वाल टोली इलाके में पहुंचे। यहां सभी आरोपी युवकों को इलाके में पैदल घुमाया और पुलिस से ना उलझने की हिदायत दी। इसके बाद टीआई स्टाफ के साथ उन्हें पुलिस जीप से थाने ले आए।

वारंट तामिल कर लौट रहे थे कार टकराने पर हुई थी हुज्जत

भंवरकुआ थाने के सिपाही कृष्णकांत शर्मा की शिकायत पर पलासिया पुलिस ने पांच आरोपियों पर केस दर्ज किया। सिपाही ने बताया था कि रात में वह सिपाही राजेश उपाध्याय, कुलदीप कुमार के साथ वारंट तामील कराने पहुंचे थे। यहां से जब वह वापस थाने जा रहे थे, तो अन्य दूसरी कार से उनकी कार को टक्कर लगी। इसके बाद कार सवार युवकों ने विवाद किया। इस दौरान पलासिया पुलिस को सूचना दी तो बीट के जवान मदन और वैभव वहां पहुंचे। आरोपियों ने वैभव की लात-घूसों से पिटाई कर दी। कृष्णकांत ने बताया कि इस दौरान वह अपने मोबाइल से आरोपियों का वीडियो बना रहे थे, तो एक आरोपी ने उनका मोबाइल छीन कर जमीन पर पटक दिया। इस दौरान युवक ने कहा कि तुम्हारे जैसे कई पुलिस वाले देखे हैं। बाद में थाने आकर केस दर्ज कर आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया गया।

दादी ने 4 दिन की पोती को मार डाला

वंश बढ़ाने के लिए चाहती थी पोता; पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या का खुलासा

विश्वास का तीर

ग्वालियर में एक महिला ने अपनी ही 4 दिन की पोती का गला घोंट दिया। वह वंश बढ़ाने के लिए पोता चाहती थी जबकि बहू ने दिव्यांग बेटी को जन्म दिया था। वाक्या 27 मार्च का है। गुरुवार को मिली पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बच्ची की सांस घुटने से मौत होने का खुलासा हुआ। इसके बाद पुलिस ने केस दर्जकर बच्ची की दादी को गिरफ्तार कर लिया। मामला कंपू थाना क्षेत्र का है। बहोड़ापुर में रहने वाली काजल चौहान ने 23 मार्च को कमलाराजा अस्पताल में बेटी को जन्म दिया था। बच्ची एक पैर से दिव्यांग थी।

प्रेमलता चौहान, आरोपी

रात में मासूम को साथ लेकर सोई थी दादी

बच्ची की मां काजल चौहान ने बताया, 'मेरी सास प्रेमलता चौहान को पोता चाहिए था। 27 मार्च को अस्पताल में सास बच्ची को अपने साथ लेकर सोई थी। अगली सुबह जब बच्ची को मांगा तो उन्होंने मना कर दिया। मैंने मायके वालों को बुला लिया। उन्होंने सास से बच्ची को छीना। उसके शरीर में हलचल नहीं थी। डॉक्टर के पास लेकर गए तो बेटी को मृत घोषित कर दिया। मायके वालों ने अस्पताल में ही सास से मारपीट भी की थी।'

पहले की टालमटोल, फिर कबूल कर लिया जुर्म

काजल ने मामले की शिकायत कंपू थाने में की थी। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया। गुरुवार को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आई। इसमें बच्ची की मौत गला दबाने से होने की पुष्टि हो गई। शक के आधार पर पुलिस ने बच्ची की दादी प्रेमलता चौहान से पूछताछ की। शुरुआती टालमटोल करने के बाद प्रेमलता ने जुर्म कबूल कर लिया। सीएसपी अशोक सिंह जादौन ने कहा कि बच्ची की दादी ने ही उसकी हत्या की थी। फिलहाल आरोपी महिला को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

अभी नेवी स्टाफ के वाइस चीफ हैं; 30 अप्रैल को संभालेंगे पदभार

वाइस एडमिरल दिनेश त्रिपाठी भारतीय नौसेना के नए चीफ नियुक्त

विश्वास का तीर

वाइस एडमिरल दिनेश त्रिपाठी को भारतीय नौसेना का नया चीफ नियुक्त किया है। केंद्र सरकार ने गुरुवार देर रात इसकी घोषणा की। दिनेश त्रिपाठी वर्तमान नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार की जगह लेंगे। वे 30 अप्रैल को रिटायर हो रहे हैं। दिनेश त्रिपाठी इसी दिन पदभार संभालेंगे। दिनेश त्रिपाठी अभी नौसेना स्टाफ के वाइस चीफ हैं। वे इससे पहले पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ रह चुके हैं। अपने 39 साल लंबे करियर में उन्होंने भारतीय नौसेना के कई अहम असाइनमेंट्स पर काम किया है।

कम्युनिकेशन और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर स्पेशलिस्ट हैं नए नेवी चीफ

वाइस एडमिरल दिनेश 1 जुलाई 1985 को भारतीय नौसेना में कमीशंड हुए थे। वे कम्युनिकेशन और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर स्पेशलिस्ट हैं। वे नौसेना के फ्रंटलाइन युद्धपोतों पर सिग्नल कम्युनिकेशन ऑफिसर और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर ऑफिसर रहे हैं। उन्होंने गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर INS मुंबई के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और प्रिंसिपल वारफेयर ऑफिसर के रूप में भी काम किया है। दिनेश त्रिपाठी ने ढ्हस किर्च, त्रिशूल और विनाश जैसे नौसैनिक जहाजों की कमान भी संभाली है।

इस साल जनवरी में नौसेना स्टाफ के वाइस चीफ बने थे

दिनेश त्रिपाठी ने कई अहम ऑपरेशनल और स्टाफ नियुक्तियों पर भी काम किया है। इसमें मुंबई में पश्चिमी बेड़े के फ्लीट ऑपरेशन्स ऑफिसर, डायरेक्टर ऑफ नेवल ऑपरेशन्स, प्रिंसिपल डायरेक्टर नेटवर्क सेंट्रिक ऑपरेशन्स और नई दिल्ली में प्रिंसिपल डायरेक्टर नेवल प्लान्स शामिल हैं। उन्होंने रियर एडमिरल के पद पर प्रमोशन के बाद नेशनल हेडक्वार्टर में नौसेना स्टाफ के असिस्टेंट चीफ (पॉलिसी और प्लान्स) और पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग के रूप में काम किया। जून 2019 में उनका वाइस एडमिरल के पद पर प्रमोशन हुआ। इसके बाद उन्हें केरल के एझिमाला में भारतीय नौसेना एकेडमी के कमांडेंट के रूप में नियुक्त किया गया था। वे जुलाई 2020 से मई 2021 तक नौसेना संचालन के डायरेक्टर जनरल थे। फिर उन्होंने जून 2021 से फरवरी 2023 तक कार्मिक प्रमुख के रूप में काम किया। 4 जनवरी 2024 को उन्हें नौसेना स्टाफ का वाइस चीफ नियुक्त किया गया था।

वाइस एडमिरल दिनेश के नाम कई पुरस्कार

दिनेश त्रिपाठी सैनिक स्कूल रीवा और नेशनल डिफेंस एकेडमी, खडकवासला के पूर्व छात्र हैं। वे डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन से ग्रेजुएट हैं। वहां उन्हें थिमैया मेडल से सम्मानित किया गया था। उन्होंने 2007-2008 में रोड आइलैंड के न्यूपोर्ट स्थित यूएस नेवल वॉर कॉलेज में नेवल हायर कमांड कोर्स और नेवल कमांड कॉलेज में भी हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने रॉबर्ट ई बेटमैन इंटरनेशनल पुरस्कार जीता था। उन्हें अति विशिष्ट सेवा पदक और नौसेना मेडल भी मिल चुका है।

केजरीवाल जानबूझकर आम-मिठाई खा रहे

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार 18 अप्रैल को बड़ा आरोप लगाया। ईडी ने राउज एवेन्यू कोर्ट में कहा कि वह तिहाड़ जेल में जानबूझकर मीठा खा रहे हैं, ताकि इससे उनका शुगर लेवल बढ़ जाए और उन्हें मेडिकल के आधार पर जमानत मिल जाए। ईडी ने कहा कि केजरीवाल को टाइप-2 डायबिटीज है, लेकिन वह जेल में आलू पूड़ी, आम और मीठा खा रहे हैं। केजरीवाल शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में 18 दिन से बंद हैं। कोर्ट ने उन्हें घर का खाना खाने की अनुमति दी है। वहीं, दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल रोज 54 यूनिट इंसुलिन लेते है। उन्हें सीवियर डायबिटीज है। श्रष्ठ केजरीवाल का घर का खाना बंद करना चाहती है।

अब समझें ये बात कैसे सामने आई

दरअसल, केजरीवाल के वकील विवेक जैन ने ट्रायल कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर केजरीवाल के डॉक्टर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मेडिकल कंसल्टेशन लेने की मांग की थी। उन्होंने तर्क दिया था कि केजरीवाल टाइप-2 डायबिटीज के मरीज हैं और उनका ब्लड शुगर लेवल ऊपर-नीचे होता रहता है। इसके जवाब में श्रष्ठ ने राउज एवेन्यू कोर्ट को बताया कि केजरीवाल तिहाड़ जेल में जानबूझकर मीठा खा रहे हैं, ताकि इससे उनका शुगर लेवल बढ़ जाए और उन्हें मेडिकल के आधार पर जमानत मिल जाए। केजरीवाल के घर से ऐसा ही खाना आ रहा है, जिसमें शुगर और कॉर्ब्स की मात्रा ज्यादा रहती है।

कोर्ट रूम लाइव

ईडी के वकील जोहेब हुसैन ने स्पेशल जज कावेरी बावेजा के सामने कहा कि केजरीवाल के खानपान से जुड़ी ये जानकारी तब पता चली, जब एजेंसी ने तिहाड़ जेल को लिखकर केजरीवाल के खाने और दवाओं के बारे में जानकारी मांगी। हुसैन ने कहा, हमने डाइट चार्ट अदालत के सामने रख दिया गया है। इस चार्ट में आम और मिठाई थीं। केजरीवाल ने खासकर मिठाइयों का सेवन किया था, जिन्हें खाने की किसी भी डायबिटिक को अनुमति नहीं होती। केजरीवाल के वकील विवेक जैन ने कहा कि ईडी के दावों पर हमें आपत्ति है। जांच एजेंसी सिर्फ मीडिया के लिए ये आरोप लगा रही है। ईडी के जवाब के बाद केजरीवाल के वकील विवेक जैन ने कहा कि हम अपनी मौजूदा एप्लीकेशन वापस ले रहे हैं। इसे नए सिरे से दायर करेंगे।

कर्नाटक के कॉलेज में कांग्रेस नेता की बेटी की हत्या

कर्नाटक के हुबली स्थित बीवीबी कॉलेज कैंपस में गुरुवार (18 अप्रैल) को कांग्रेस नेता की बेटी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें आरोपी युवती पर हमला करता हुआ दिखा। युवक ने युवती के गले, पेट सहित शरीर पर चाकू से 7 वार किए। इस दौरान युवक को भी चोटें आईं। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां युवती को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। युवती की पहचान 23 साल की नेहा हिरेमथ के रूप में की गई है। वह कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की बेटी थी। युवती बीवीबी कॉलेज में एमसीए फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट थी। आरोपी युवक उसी कॉलेज का ड्रॉपआउट स्टूडेंट है। उसकी पहचान 23 साल के फैयाज खोंडुनाईक के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि युवक और युवती एक दूसरे को पहले से जानते थे। दोनों बीसीए के दौरान क्लासमेट थे। युवती ने उसका प्रपोजल ठुकरा दिया था, जिसके कारण उसने घटना को अंजाम दिया।

पुलिस के मुताबिक, घटना शाम 5 बजे की है। सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि नेहा कॉलेज कैंपस से बाहर जा रही थी। इसी दौरान फैयाज उसके सामने आ गया। दोनों के बीच पहले कुछ बातचीत हुई, इसके बाद फैयाज ने नेहा पर चाकू से हमला कर दिया। पहली बार चाकू लगते ही नेहा जमीन पर गिर गई। फिर फैयाज ने उस पर एक के बाद एक छह बार चाकू से वार किए। हमले के बाद फैयाज ने भागने की कोशिश की, लेकिन कुछ छात्रों ने उसका पीछा किया और पकड़ लिया। कॉलेज के स्टाफ और दूसरे स्टूडेंट्स नेहा को अस्पताल ले गए। हालांकि, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। फैयाज ने पूछताछ के दौरान बताया कि नेहा उसके साथ रिलेशनशिप में थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सपांदक आपयुष राजपूत द्वारा कविता आर्फसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- आपयुष राजपूत, मो.7247257823, 7999252366 (प्रति शुक्रवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2022/83636